तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 05/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 2019

(www.trai.gov.in)

30 नवंबर, 2018 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1171.76**	**21.96**	**1193.72**
नवंबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.74	-0.06	1.68
मासिक वृद्धि दर	0.15%	-0.28%	0.14%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**645.71**	**18.83**	**664.54**
नवंबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-2.54	-0.05	-2.59
मासिक वृद्धि दर	-0.39%	-0.26%	-0.39%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**526.05**	**3.13**	**529.18**
नवंबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.28	-0.01	4.26
मासिक वृद्धि दर	0.82%	-0.44%	0.81%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**89.54**	**1.68**	**91.21**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	155.28	4.53	159.81
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.92	0.35	59.27
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.11%	85.76%	55.67%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.89%	14.24%	44.33%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**493.81**	**18.09**	**511.90**

- नवंबर, 2018 के माह में 3.24 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से अक्टूबर, 2018 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 403.97 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 407.22 मिलियन हो गया।

- नवंबर, 2018 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1031.28 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

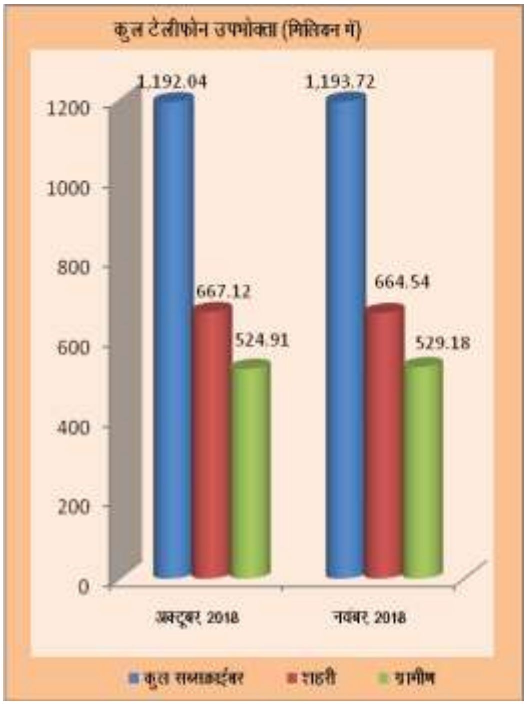

- अक्टूबर, 2018 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,192.04 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 1,193.72 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.14 प्रतिशत दर्ज की गयी। अक्टूबर, 2018 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 667.12 मिलियन से घटकर नवंबर, 2018 के अंत तक 664.54 मिलियन हो गई, जवकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 524.91 मिलियन से बढ़कर 529.18 मिलियन हो गई। नवंबर, 2018 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.39 प्रतिशत तथा 0.81 प्रतिशत रही।

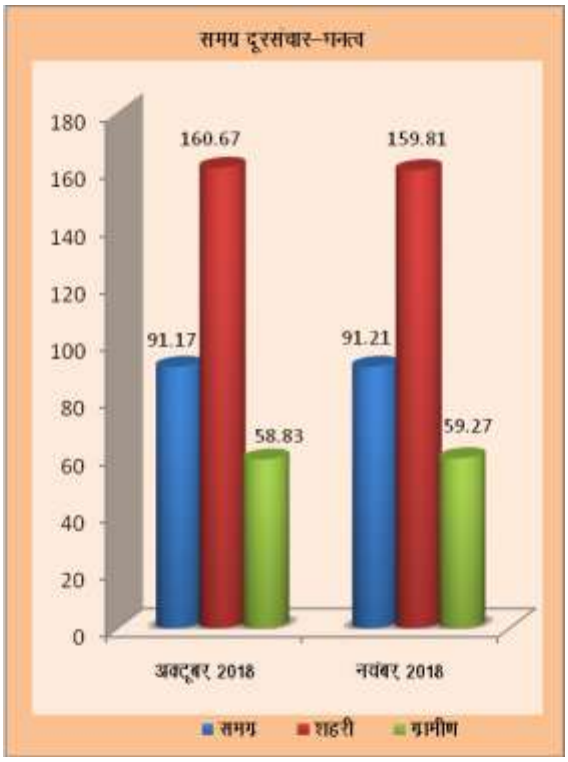

- अक्टूबर, 2018 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.17 से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 91.21 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अक्टूबर, 2018 के अंत तक 160.67 से घटकर नवंबर, 2018 के अंत तक 159.81 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व अक्टूबर, 2018 के अंत तक 58.83 से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 59.27 हो गया। नवंबर, 2018 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.67 प्रतिशत तथा 44.33 प्रतिशत थी।

दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

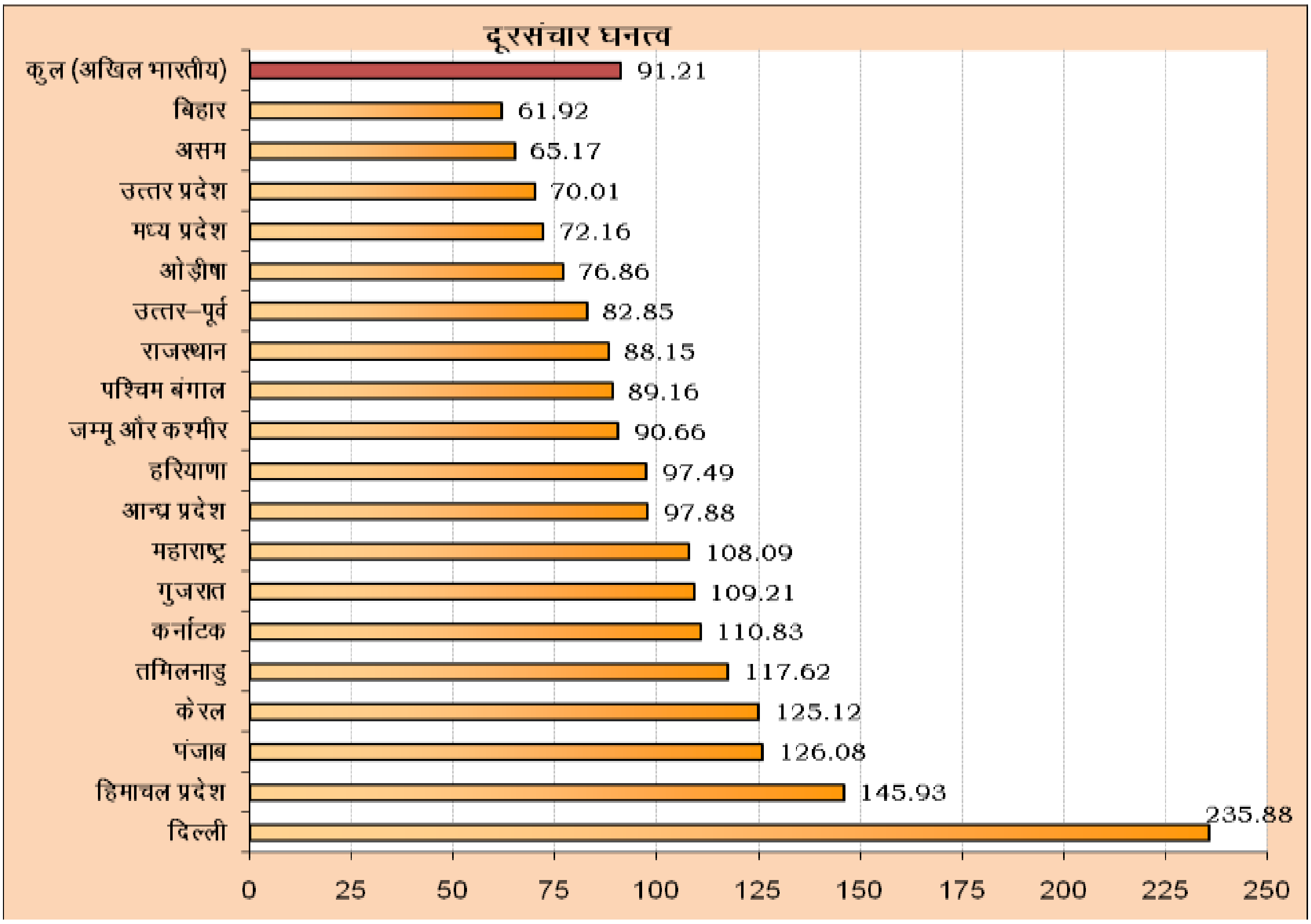

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

नवंबर, 2018 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	नवंबर, 2018 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-28,503	568,765	8,645,593	402,751,423
श्रेणी – ख	-21,988	663,152	5,488,874	477,623,473
श्रेणी – ग	-6,699	341,951	936,673	176,015,189
महानगर	-5,058	165,235	6,890,105	115,364,926
अखिल भारतीय	**-62,248**	**1,739,103**	**21,961,245**	**1,171,755,011**

नवंबर, 2018 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्टूबर, 2018 से नवंबर, 2018 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (नवंबर, 2017 से नवंबर, 2018 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-0.33	0.14	-6.66	0.48
श्रेणी – ख	-0.40	0.14	-8.92	3.21
श्रेणी – ग	-0.71	0.19	-10.95	-0.70
महानगर	-0.07	0.14	-2.58	-5.11
अखिल भारतीय	**-0.28**	**0.15**	**-6.20**	**0.80**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि नवंबर, 2018 माह के दौरान वायरलैस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक आधार पर निबल वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान वार्षिक आधार पर श्रेणी–ग एवं महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, नवंबर, 2018 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में मासिक तथा वार्षिक, दोनों आधार पर उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- अक्टूबर, 2018 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,170.02 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 1,171.76 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.15 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या अक्टूबर, 2018 के अंत तक 648.24 मिलियन से घटकर नवंबर, 2018 के अंत तक 645.71 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 521.77 मिलियन से बढ़कर 526.05 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.39 प्रतिशत तथा 0.82 प्रतिशत रही।

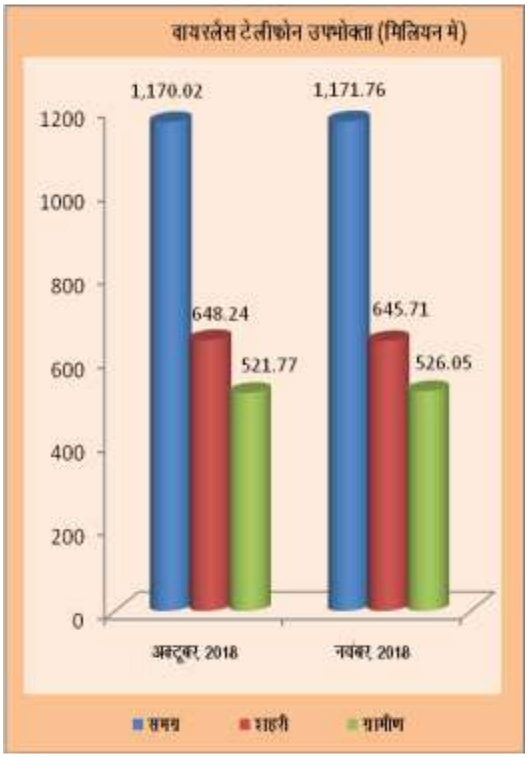

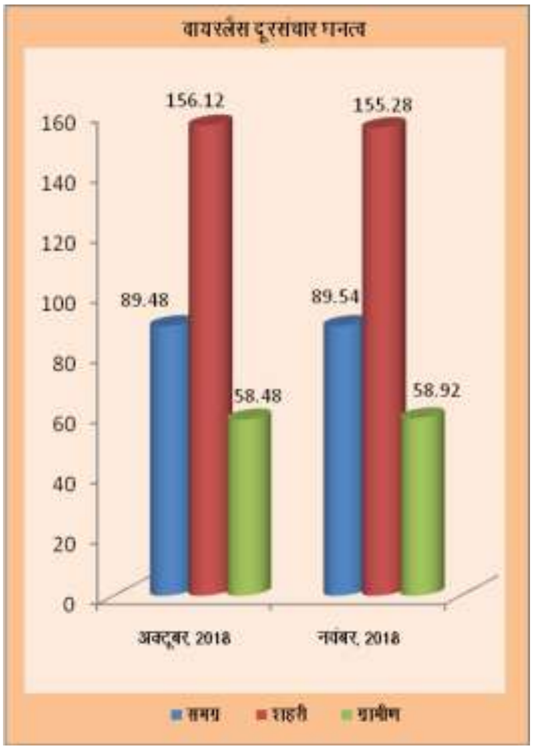

- अक्टूबर, 2018 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 89.48 से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 89.54 हो गया। शहरी क्षेत्रों में अक्टूबर, 2018 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 156.12 से घटकर नवंबर, 2018 के अंत में 155.28 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व 58.48 से बढ़कर 58.92 हो गया। नवंबर, 2018 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.11 प्रतिशत तथा 44.89 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.99 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.01 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

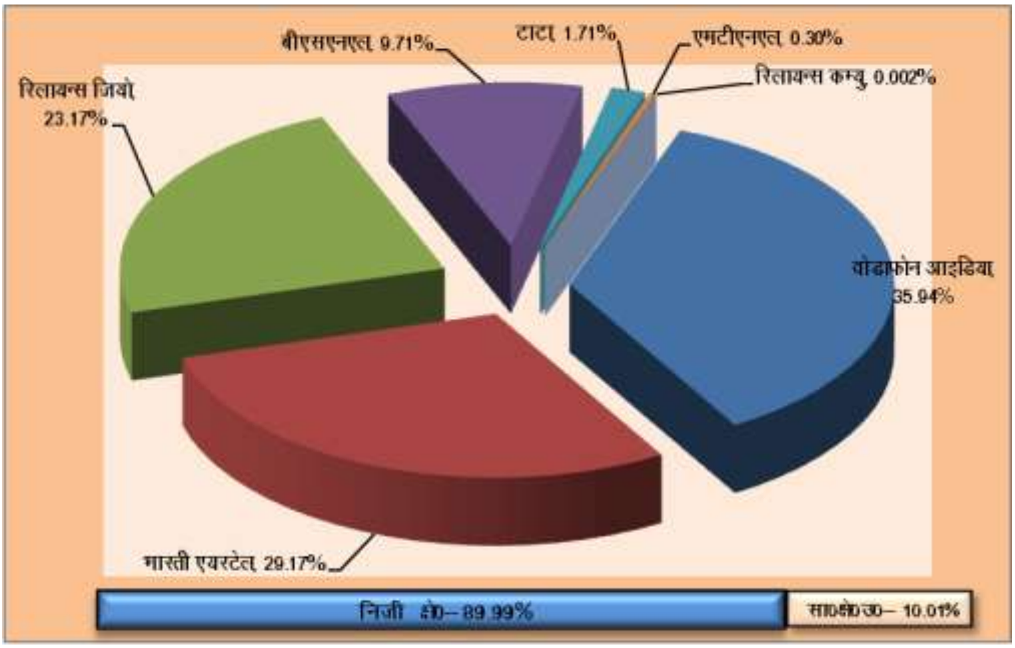

नवंबर, 2018 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

3. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- नवंबर, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,171.76 मिलियन) में से 1,031.28 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 88.01 प्रतिशत था।

- नवंबर, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

नवंबर, 2018 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

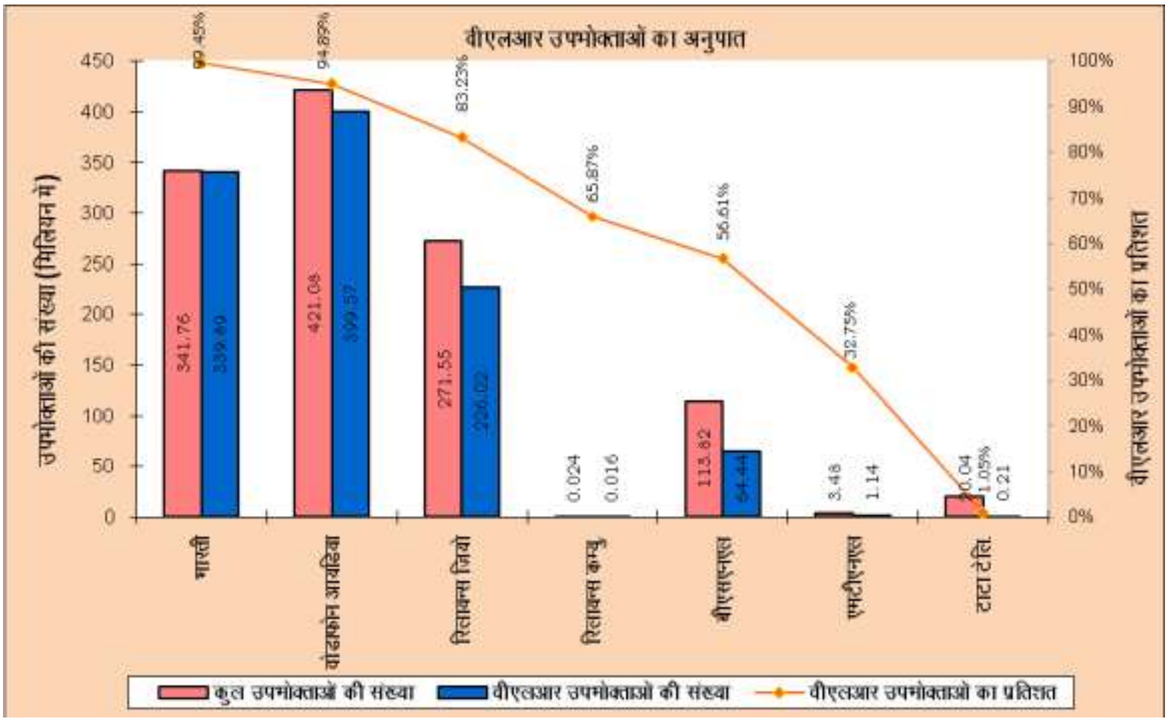

- नवंबर, 2018 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथी में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 99.45 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

नोटः मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

नवंबर, 2018 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

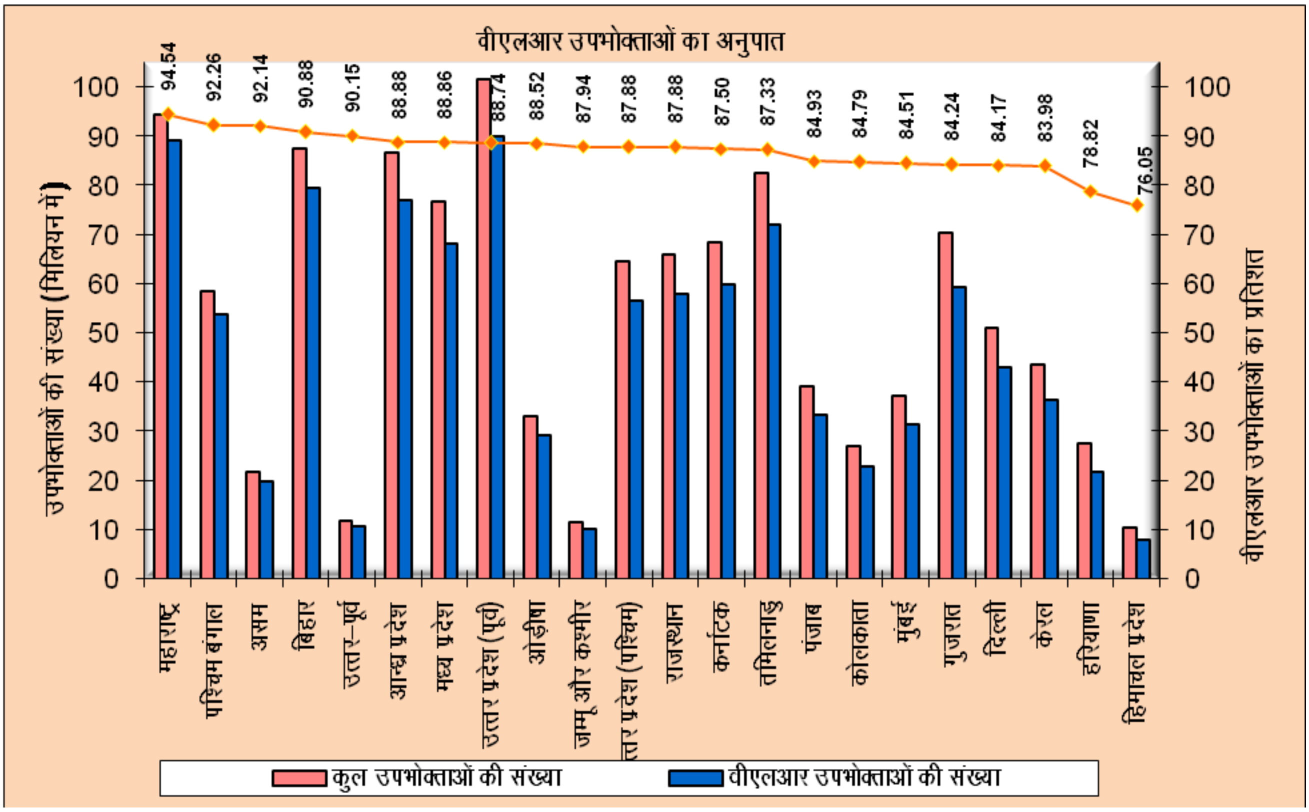

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

नवंबर, 2018 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

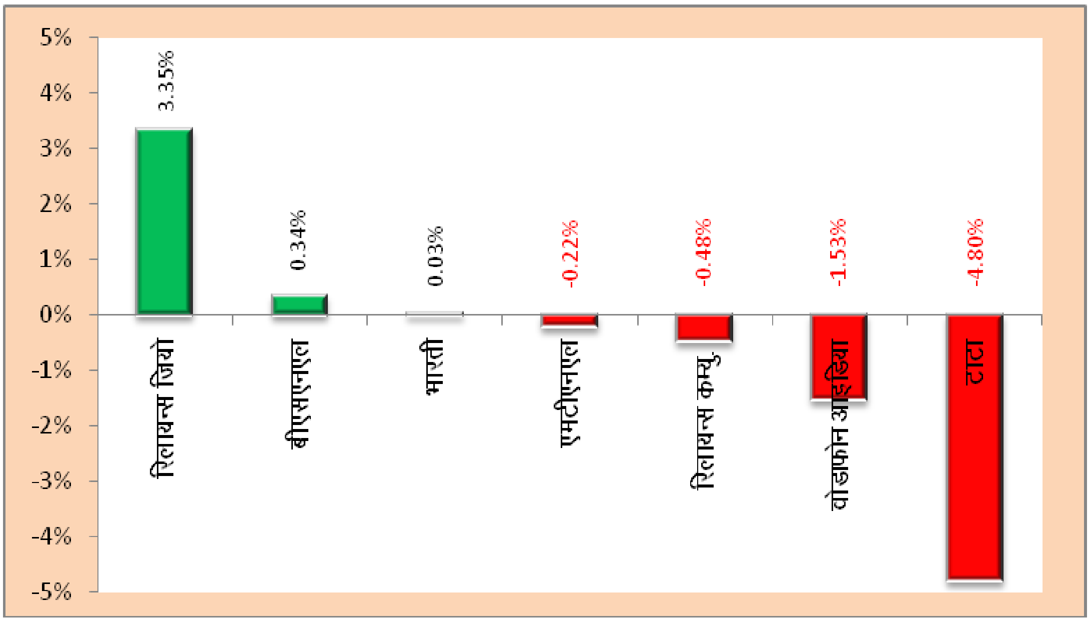

नोट– मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

नवंबर, 2018 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

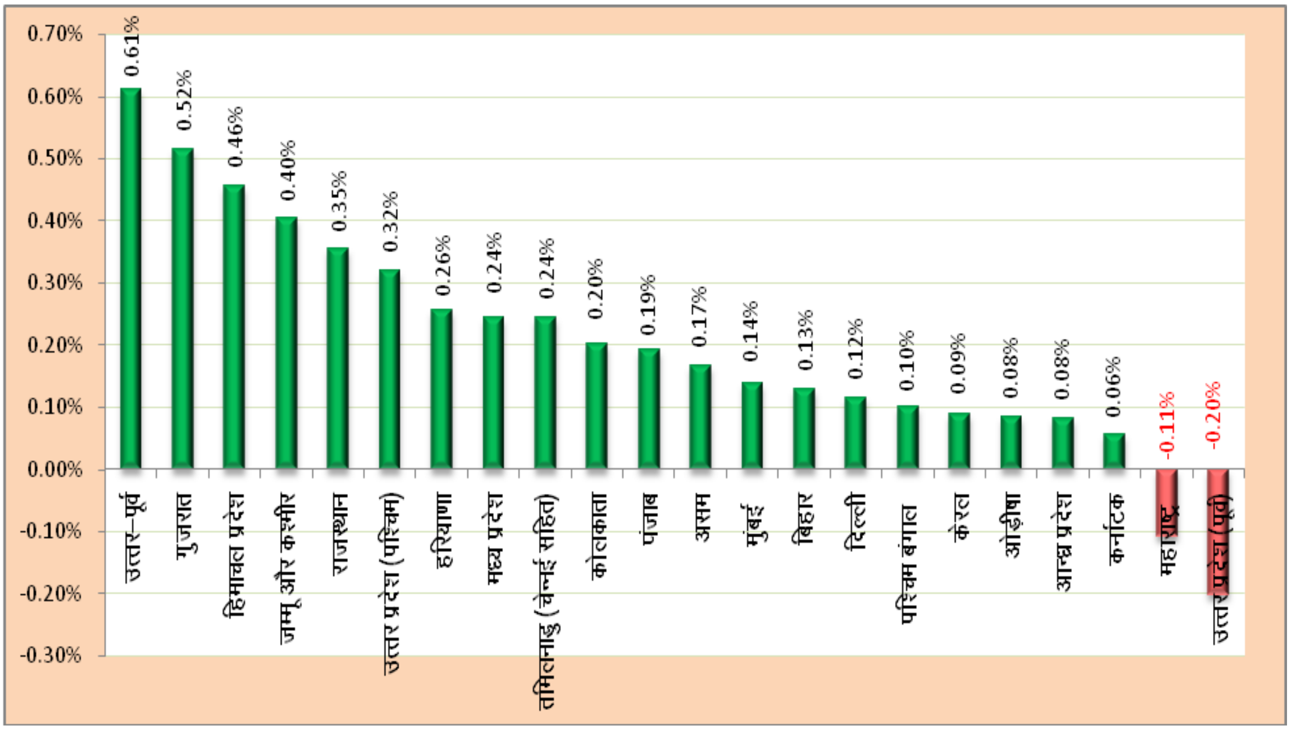

- नवंबर, 2018 के माह के दौरान महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश (पूर्व) सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल कमी दर दर्ज की गई है। अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में इसी माह के दौरान वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- नवंबर, 2018 के माह में कुल 3.24 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 3.24 मिलियन अनुरोधों में से 1.71 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 1.53 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध अक्टूबर, 2018 के अंत तक 403.97 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत तक 407.22 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 32.98 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 28.92 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 38.56 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद तमिलनाडु में (लगभग 34.69 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–I			जोन–II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018		अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018
दिल्ली	20.74	20.95	आन्ध्र प्रदेश	34.35	34.68
गुजरात	26.34	26.53	असम	3.24	3.26
हरियाणा	14.65	14.76	बिहार	15.59	15.73
हिमाचल प्रदेश	1.94	1.96	कर्नाटक	38.33	38.56
जम्मू और कश्मीर	0.96	0.97	केरल	9.74	9.82
महाराष्ट्र	28.56	28.92	कोलकाता	9.89	9.94
मुंबई	21.14	21.28	मध्य प्रदेश	26.46	26.64
पंजाब	15.32	15.49	उत्तर–पूर्व	1.28	1.29
राजस्थान	32.83	32.98	ओड़ीशा	7.96	8.01
उत्तर प्रदेश–पूर्व	22.02	22.20	तमिलनाडु	34.34	34.69
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	17.65	17.83	पश्चिम बंगाल	20.63	20.72
कुल	**202.15**	**203.87**	कुल	**201.82**	**203.35**
कुल (जोन–I + जोन–II)				**403.97**	**407.22**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (नवंबर, 2018 माह में)					**3.24** मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या अक्टूबर, 2018 के अंत तक 22.02 मिलियन से और घटकर नवंबर, 2018 के अंत तक 21.96 मिलियन हो गया। इस माह में 0.28 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.06 मिलियन की निबल कमी हुई। नवंबर, 2018 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.76 प्रतिशत तथा 14.24 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व नवंबर, 2018 के अंत में भी अक्टूबर, 2018 के अनुसार, अर्थात 1.68 रहा। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.53 तथा 0.35 रहा।

- नवंबर, 2018 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 67.27 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- नवंबर, 2018 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

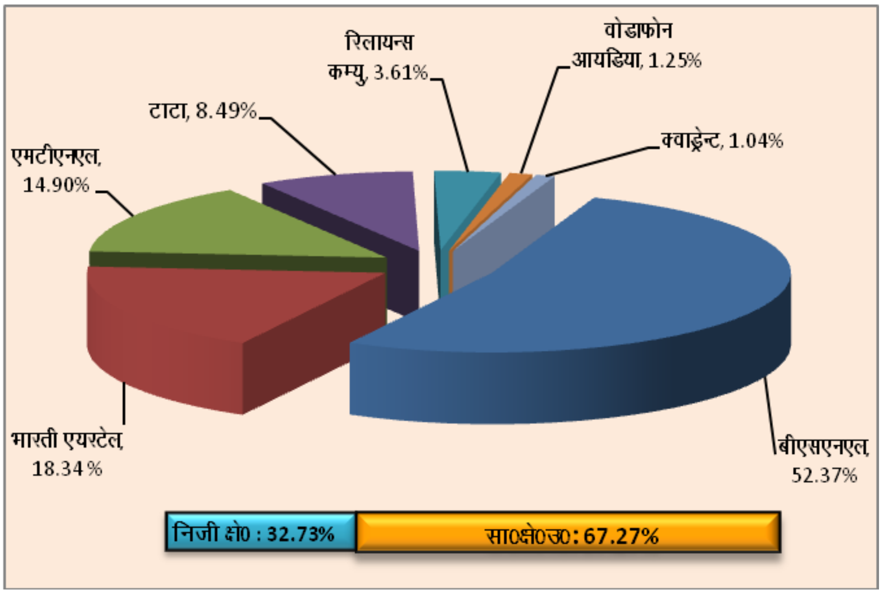

नवंबर, 2018 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

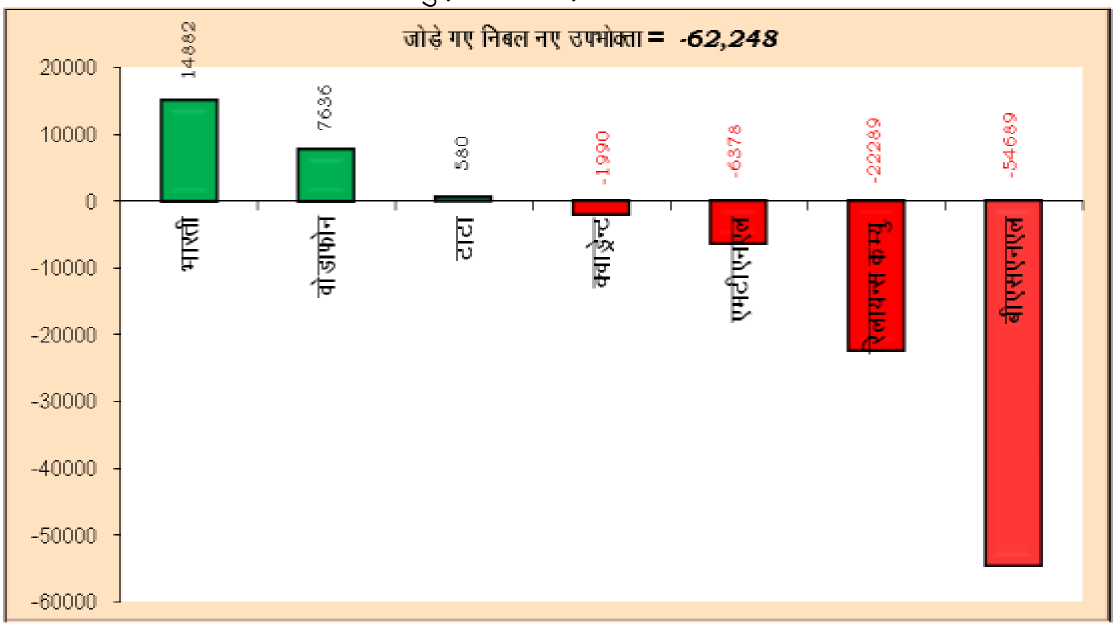

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- 306 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अक्टूबर, 2018 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 496.12 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2018 के अंत में 511.90 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 3.18 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		नवंबर, 2018 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.10	18.09	-0.06%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	477.20	493.40	3.39%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.82	0.41	-49.51%
कुल	**496.12**	**511.90**	**3.18%**

- नवंबर, 2018 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.56 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (271.55 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (105.44 मिलियन), भारती एयरटेल (104.74 मिलियन), बीएसएनएल (20.45 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (2.32 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया हैः

नोट : 1. कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

2. मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

दिनांक 30.11.2018 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

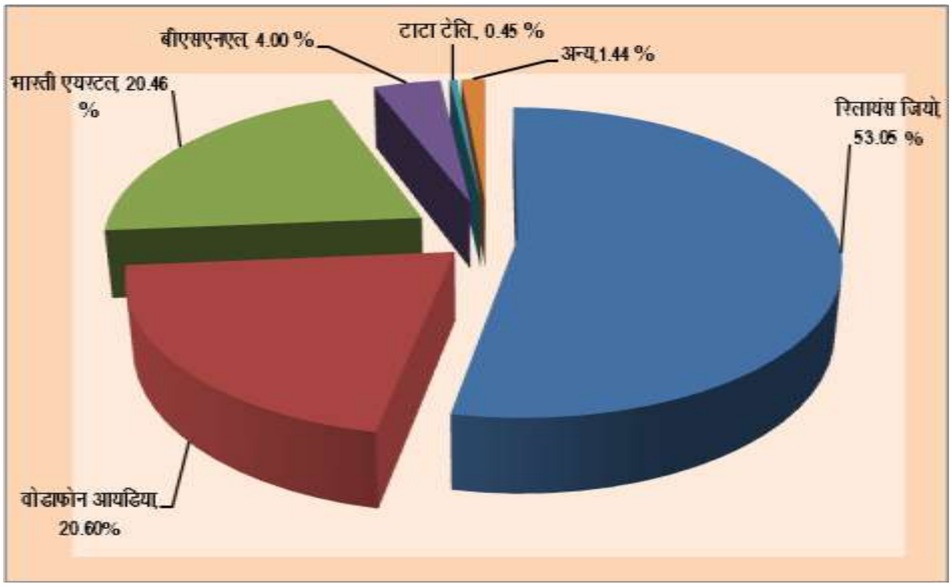

- दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.17 मिलियन), भारती एयरटेल (2.26 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.38 मिलियन), एमटीएनएल (0.78 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.77 मिलियन) थे।

- दिनांक 30 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (271.55 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (105.43 मिलियन), भारती एयरटेल (102.49 मिलियन), बीएसएनएल (11.29 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.84 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह									
	भारती		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		टाटा		एमटीएनएल	
	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018
आन्ध्र प्रदेश	29902547	29910249	2261	2317	23678091	23343019	1852045	1775981		
असम	8400558	8400240			5619521	5429789	0	0		
बिहार	39476741	39484571	108	125	24224417	23652071	358305	332814		
दिल्ली	15187013	15185787	5025	5052	19628067	19518337	106345	81798	2227662	2223150
गुजरात	12345373	12352211	288	297	34238324	34040798	1007691	945422		
हरियाणा	3823169	3822401	81	84	11445660	11283270	933061	882790		
हिमाचल प्रदेश	3625105	3625481	72	72	1454925	1401598	5311	4725		
जम्मू और कश्मीर	5658666	5662138			1423521	1364924	0	0		
कर्नाटक	27227312	27227136	3433	3550	16495015	16117363	3408060	3283682		
केरल	5145521	5143007	238	304	20446732	20354931	364961	339150		
कोलकाता	6461736	6462727	46	45	9886389	9747043	1177537	1133949		
मध्य प्रदेश	15670666	15674471	537	555	33014816	32412661	2143359	2038768		
महाराष्ट्र	16471221	16475445	989	983	49597331	49051770	1889095	1759403		
मुंबई	8458979	8459225	6146	5770	15906536	15746707	988803	914643	1258696	1255711
उत्तर–पूर्व	5348491	5349921			2287469	2261332	0	0		
ओड़ीशा	13152845	13156393	55	62	6303530	6063240	603887	564031		
पंजाब	10447702	10461029	116	131	11896958	11643628	989320	941135		
राजस्थान	23446963	23454701	251	253	19292176	18884902	148359	135615		
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25967209	25977613	3721	3507	26083651	25528930	1655878	1589243		
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	32844119	32849495	491	597	37210434	36618419	1885794	1844635		
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	14000286	14028886	61	61	29935403	29553828	1490990	1434550		
पश्चिम बंगाल	18597058	18597686	263	302	27534275	27058102	46870	42342		
कुल	**341659280**	**341760813**	**24182**	**24067**	**427603241**	**421076662**	**21055671**	**20044676**	**3486358**	**3478861**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		101533		-115		-6526579		-1010995		-7497
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*170188344*	*170205815*	*0*	*0*	*225575652*	*223642819*	*2907365*	*2731784*	*46558*	*46464*

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

	सेवा प्रदाता समूह								
सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		रिलायंस जियो		कुल		निबल वृद्धि/कमी
	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	10118070	10120866			21205842	21676902	**86758856**	**86829334**	70478
असम	2368109	2398599			5240777	5436194	**21628965**	**21664822**	35857
बिहार	4774861	4812751			18617878	19282993	**87452310**	**87565325**	113015
दिल्ली					13844596	14043912	**50998708**	**51058036**	59328
गुजरात	5665661	5665443			16754132	17368502	**70011469**	**70372673**	361204
हरियाणा	4842023	4895554			6422849	6652923	**27466843**	**27537022**	70179
हिमाचल प्रदेश	2733636	2750156			2588414	2672960	**10407463**	**10454992**	47529
जम्मू और कश्मीर	1214396	1216613			3111852	3210867	**11408435**	**11454542**	46107
कर्नाटक	7091733	7100130			14283293	14816287	**68508846**	**68548148**	39302
केरल	10811257	10838850			6676436	6807729	**43445145**	**43483971**	38826
कोलकाता	1723664	1760312			7668703	7868206	**26918075**	**26972282**	54207
मध्य प्रदेश	5987994	6053950			19667288	20491619	**76484660**	**76672024**	187364
महाराष्ट्र	6919638	6819600			19630101	20298143	**94508375**	**94405344**	-103031
मुंबई					10663748	10952552	**37282908**	**37334608**	51700
उत्तर–पूर्व	1619490	1631525			2453087	2537465	**11708537**	**11780243**	71706
ओड़ीशा	5515519	5545728			7491692	7765811	**33067528**	**33095265**	27737
पंजाब	5256963	5269546			10643713	10994602	**39234772**	**39310071**	75299
राजस्थान	5650565	5662320			17304294	17938192	**65842608**	**66075983**	233375
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	11708598	11850637	22935	26594	16953120	17619400	**82395112**	**82595924**	200812
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11939298	11905419			17879616	18334225	**101759752**	**101552790**	-206962
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5885866	5902048			13000001	13599038	**64312607**	**64518411**	205804
पश्चिम बंगाल	1584670	1589751			10650798	11185018	**58413934**	**58473201**	59267
कुल	**113412011**	**113789798**	**22935**	**26594**	**262752230**	**271553540**	**1170015908**	**1171755011**	**1739103**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		377787		3659		8801310	0	1739103	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*35828917*	*35893329*	*0*	*0*	*87227196*	*93529767*	521774032	526049978	*4275946*

अनुलग्नक–**II**

नवंबर, 2018 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा टेलि.	कुल
आन्ध्र प्रदेश	99.21	69.90	95.78		71.13	83.30	0.69	**88.88**
असम	96.63	63.57	100.47			89.46		**92.14**
बिहार	92.23	57.51	92.52		5.60	96.00	0.39	**90.88**
दिल्ली	93.40		92.78	22.46	75.51	72.34	26.30	**84.17**
गुजरात	96.02	44.25	95.15		29.29	72.12	0.03	**84.24**
हरियाणा	121.06	34.16	97.91		3.57	65.43	0.56	**78.82**
हिमाचल प्रदेश	91.33	45.28	106.89		2.78	70.93	1.10	**76.05**
जम्मू और कश्मीर	92.30	73.42	100.17		-	80.56		**87.94**
कर्नाटक	104.02	61.88	97.01		70.25	78.36	0.53	**87.50**
केरल	102.26	63.05	95.60		46.05	72.81	2.56	**83.98**
कोलकाता	104.52	53.70	94.11		40.00	75.18	7.09	**84.79**
मध्य प्रदेश	103.21	54.31	93.32		2.70	89.86	0.29	**88.86**
महाराष्ट्र	114.36	55.51	97.46		42.83	92.63	0.78	**94.54**
मुंबई	116.07		79.00	50.97	66.05	78.78	2.09	**84.51**
उत्तर–पूर्व	95.48	74.41	94.69		-	85.00		**90.15**
ओड़ीशा	95.65	70.28	94.03		4.84	91.51	1.03	**88.52**
पंजाब	103.61	48.68	96.22		2.29	79.84	0.08	**84.93**
राजस्थान	93.36	46.51	95.93		8.30	85.94	0.56	**87.88**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	97.32	67.07	97.83		92.67	78.88	0.71	**87.33**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	101.72	44.96	94.16		12.73	92.01	0.10	**88.74**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	105.98	42.26	95.79		22.95	81.09	0.22	**87.88**
पश्चिम बंगाल	93.08	86.88	95.24		7.95	84.82	1.21	**92.26**
कुल	99.45	56.61	94.89	32.75	65.87	83.23	1.05	**88.01**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या		कुल योग /ह्रास
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स कम्यु.		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन				
	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	अक्टूबर, 2018	नवंबर, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	1006300	1002188			171938	172711	49519	48951	173861	174635			30370	30340	**1431988**	**1428825**	-3163
असम	121400	119097											2790	2820	**124190**	**121917**	-2273
बिहार	228096	228431					4282	3789	8517	8478			1830	1770	**242725**	**242468**	-257
दिल्ली			1498491	1495038	1363540	1371572	136911	132794	151886	153257			44610	50850	**3195438**	**3203511**	8073
गुजरात	1008722	1008158			82081	82548	24161	22815	91065	90072			20328	20310	**1226357**	**1223903**	-2454
हरियाणा	222112	220778			22668	22690	2956	2925	36367	36136			150	150	**284253**	**282679**	-1574
हिमाचल प्रदेश	114192	113704					3098	3066	1905	1866			60	60	**119255**	**118696**	-559
जम्मू और कश्मीर	106883	106247													**106883**	**106247**	-636
कर्नाटक	1047452	1043592			666765	668925	144875	142944	275152	275626			41925	42435	**2176169**	**2173522**	-2647
केरल	1810470	1808479			59686	59749	18942	18226	19606	19542			2970	2550	**1911674**	**1908546**	-3128
कोलकाता	511235	506268			125746	126394	42960	41346	52548	52986			8020	8280	**740509**	**735274**	-5235
मध्य प्रदेश	656396	656829			242456	242589	11631	11400	16064	15506			930	930	**927477**	**927254**	-223
महाराष्ट्र	1147993	1135855			87663	88212	54164	51648	292885	292243			17564	17720	**1600269**	**1585678**	-14591
मुंबई			1780717	1777792	362562	362885	191229	185216	574701	575432			50007	49995	**2959216**	**2951320**	-7896
उत्तर–पूर्व	107090	106895											270	270	**107360**	**107165**	-195
ओड़ीषा	230662	227956					2574	2484	7743	7640			1980	2100	**242959**	**240180**	-2779
पंजाब	420330	415876			127130	127958	11578	12130	14439	14116	230601	228611	1590	1590	**805668**	**800281**	-5387
राजस्थान	463994	458062			52956	53310	25149	24674	12498	12506			7170	7260	**561767**	**555812**	-5955
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1468675	1463431			557876	558015	76452	75012	118445	118802			17865	18405	**2239313**	**2233665**	-5648
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	358242	358167			66111	66344	9371	8279	8590	8197			11550	11780	**453864**	**452767**	-1097
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	278226	275117			23077	23235	4151	4016	5672	5584			3900	3900	**315026**	**311852**	-3174
पश्चिम बंगाल	246730	245381					1753	1752	2530	2430			120	120	**251133**	**249683**	-1450
कुल	11555200	11500511	3279208	3272830	4012255	4027137	815756	793467	1864474	1865054	230601	228611	265999	273635	**22023493**	**21961245**	-62248
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-54689		-6378		14882		-22289		580		-1990		7636		-62248	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3039590	3026275	0	0	0	0	1523	1488	51943	51803	47780	47320	0	0	**3140836**	**3126886**	-13950

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

——————